VISION IAS
JP 16 AUG 2022
RECEIVED

# VISION IAS

www.visionias.in

## GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1836)

| | | | |
|---|---|---|---|
| Name of Candidate | Sukh Ram | | |
| Medium Eng./Hindi | Hindi | Registration Number | 370763 |
| Center | Jaipur | Date | 16/08/2022 |

### INDEX TABLE

| Q. No. | Maximum Marks | Marks Obtained |
|---|---|---|
| 1 | 10 | |
| 2 | 10 | |
| 3 | 10 | |
| 4 | 10 | |
| 5 | 10 | |
| 6 | 10 | |
| 7 | 10 | |
| 8 | 10 | |
| 9 | 10 | |
| 10 | 10 | |
| 11 | 15 | |
| 12 | 15 | |
| 13 | 15 | |
| 14 | 15 | |
| 15 | 15 | |
| 16 | 15 | |
| 17 | 15 | |
| 18 | 15 | |
| 19 | 15 | |
| 20 | 15 | |

**Total Marks Obtained:**

**Remarks:**

### INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

VisionIAS

## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. The PM-AASHA scheme is aimed at improving procurement mechanism as well as ensuring remunerative prices for farmers. In this context, highlight the various components of the scheme and discuss the concerns associated with it. **(150 words) 10**

पीएम-आशा योजना का उद्देश्य खरीद तंत्र में सुधार के साथ-साथ किसानों के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में, योजना के विभिन्न घटकों को रेखांकित कीजिए तथा इससे जुड़ी चिंताओं पर चर्चा कीजिए।

कृषि मंत्रालय के अनुसार MSP घोषित मात्र 25 फीसद फसल ही MSP पर बेची जाती है वहीं शांता कुमार कमेटी के अनुसार मात्र 6 फीसद किसानों को MSP का लाभ मिलता है। इसी अंतराल को मिटाने के लिए PM-आशा योजना लाई गई थी।

## PM-आशा का उद्देश्य

(i) किसानों को उत्पादों का उचित मूल्य दिलाना।
(ii) MSP का उचित कार्यान्वयन
(iii) किसानों की आय बढ़ाकर कृषि को लाभकारी बनाना
(iv) खरीद प्रणाली में सुधार करना।

## योजना के विभिन्न घटक

इस योजना के मुख्यतः तीन घटक है-

(a) प्राइस डेफिसिएंसी स्कीम - जिसमें बाजार मूल्य व MSP के अंतर को किसान के खाते में जमा किया जाता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) मूल्य सहायता योजना (प्राइस असिसटेंस स्कीम)

(c) MSP प्रणाली को सक्षम बनाना।

→ इस योजना से जुड़ी चिंताए

(क) यह योजना अवसंरचना के अभाव में ग्राउण्ड लेवल पर नहीं उतर पाई है।

(ख) निजी क्षेत्र की मंडियों व किसानों के मध्य टकराव व अस्पष्ट मूल्य निर्धारण प्रक्रिया।

(ग) किसानों में जागरूकता का अभाव।

(घ) MSP को लागत का डेढ़ गुना किए जाने के पश्चात भी वह कई फसलों में बाजार मूल्य के समतुल्य हो है।

(ङ) सार्वजनिक खरीद प्रणाली में बाधाएँ।

(च) प्राइस डेफिसिएंसी भुगतान का समय पर नहीं किया जाना।

अतः आत्मनिर्भर भारत आत्मनिर्भर कृषि पर ही निर्भर है इसलिए कृषि में GDP का 2-3% निवेश बढ़ाकर इस क्षेत्र को 'सुदृढ़, सक्षम, सुनम्य' किए जाने की आवश्यकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Explaining the concept of blended finance, discuss the role it can play in mobilizing capital for infrastructure development in developing countries like India.

**(150 words) 10**

मिश्रित वित्त की अवधारणा की व्याख्या करते हुए, भारत जैसे विकासशील देशों में अवसंरचना विकास हेतु पूंजी जुटाने में इसकी भूमिका पर चर्चा कीजिए।

मिश्रित वित्त की अवधारणा में किसी अवसंरचना प्रोजेक्ट्स में सरकारी वित्त के साथ अन्य स्रोतों यथा निजी वित्तीयन, ग्रांट, दान, विकासगत व मानवीय सहायता आदि से वित्तीयन भी शामिल होता है।

→ **भारत जैसे विकासशील देश में मिश्रित वित्त**

(i) **अवसंरचना वित्तीयन** - यह अवसंरचनाओं के वित्त संबंधी समस्याओं को कम कर सकता है जिससे लॉजिस्टिक लागत (विश्व बैंक - 13-14% of Ind. GDP) में कमी आएगी।

(ii) **दीर्घकालीन वित्तीयन** - यह दीर्घकालीन प्रोजेक्ट्स को वित्त प्रदान कर उनकी सफलता को बढ़ा सकता है।

(iii) **बैंकिंग प्रणाली पर बोझ कम होना** - RBI की

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट के अनुसार बैंकों का सकल NPA 6.9% है जो 8.7% होने की संभावना है इसलिए मिश्रित वित्त बैंक स्वास्थ्य को सुधारेगा।

(iv) यह प्रायः निजी क्षेत्र द्वारा न वित्तपोषित की जाने वाली परियोजनाओं के लिए निवेश लाकर विकासगत असमानता, क्षैतिज असमानता को दूर कर सकता है

(v) मिश्रित वित्त सरकारी राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद करेगा जिससे सरकार गौण महत्व के अवसंरचना प्रोजेक्ट्स को भी महत्व दे सकेगी।

(vi) यह सरकार की VGF के साथ भारतीय अवसंरचना को विश्वस्तरीय अवसंरचना विशेषतः औद्योगिक क्षेत्र में, प्रसंस्करण क्षेत्र में, कृषि क्षेत्र में, विकसित कर सकने में मददगार होगा।

अतः सरकार को इस वित्तीय प्रणाली को संस्थागत बनाकर आगे बढ़ाने के प्रयास करने चाहिए।



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Discuss the challenges faced in the revival and revamp of dry ports in India and state the measures that can be adopted in this regard.

**(150 words) 10**

भारत में शुष्क पत्तनों (ड्राई पोर्ट्स) के पुनरुद्धार और सुधार में आने वाली चुनौतियों पर चर्चा कीजिए तथा इस संबंध में अपनाए जाने वाले उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में 12 मुख्य पतन व लगभग 200 गौण पतन है जिनसे मात्रानुसार 95% व मूल्यानुसार 75% भारतीय विदेशी व्यापार होता है।

**शुष्क पत्तनों के पुनरुद्धार और सुधार में चुनौतियाँ**

(i) सार्वजनिक - निजी सहयोग का अभाव - सरकारी व्यय ही मुख्यतः पुनरुद्धार व सुधार में व्यय होने वाला बड़ा घटक है।

(ii) वित्तीयन संबंधी मुद्दे - इनके पुनरुद्धार में वृहत वित्त की आवश्यकता होती है जो Covid उपरांत बढ़ते राजकोषीय घाटे व मुद्रास्फीति के कारण उपलब्ध नहीं है।

(iii) अनुबंध संबंधी चुनौती - भारत में विश्व बैंक की 'ईज ऑफ डूइंग' बिजनेस रिपोर्ट के अनुसार अनुबंध महंगे व उनके प्रवर्तन में कई बाधाएँ है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) उचित प्रौद्योगिकी का अभाव - भारत के पास विश्व के Top 20 पत्तनों में एक भी पत्तन नहीं है क्योंकि आवश्यक उन्नत प्रौद्योगिकी व कुशल कार्यबल का अभाव है

**अपनाए जाने वाले उपाय**

(a) निजी क्षेत्र को निवेश के लिए प्रोत्साहन किया जाये
(b) निवेश मॉडल को पुन:संरचित किया जाये।
(c) आवश्यक प्रौद्योगिकीय विकास के लिए जापान जैसे देशों के साथ टेक-एग्रीमेंट किए जाये।
(d) 'अनुबंध प्रवर्तन' प्रणाली में सुधार हो।
(e) कुशल कार्यबल व सरकारी हस्तक्षेप कम हो

सरकार ने सागरमाला प्रोजेक्ट, मेरीटाइम इण्डिया विजन 2030, मेरीटाइम इण्डिया समिट व मेजर पोर्ट प्राधिकरण अधिनियम 2021 के माध्यम से प्रमुख पत्तनों के पुनरुद्धार के लिए प्रयास किया है

अत: प्रमुख पत्तनों के विकास के लिए एक विजन डॉक्यूमेंट जारी कर प्रयास किए जाने चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**4.** Monoculture is one of the major threats to ensuring food security and sustainability of Indian agriculture. Discuss. **(150 words) 10**
एकल कृषि (मोनोकल्चर) खाद्य सुरक्षा और भारतीय कृषि की संधारणीयता सुनिश्चित करने के समक्ष विद्यमान प्रमुख खतरों में से एक है। चर्चा कीजिए।

मोनोकल्चर से आशय एक कृषि स्रोत में बार- बार एक ही फसल उगाने की प्रक्रिया से है। यह सामान्यत: असंधारणीय कृषि पद्धति है।

एकल कृषि : खाद्य सुरक्षा व भारतीय कृषि

प्रभाव

(i) जल अदक्षता - चावल जैसी फसल जल अदक्ष होती है जो जल के अतिदोहन का कारण बन सकती है

(ii) भूजल का गिरता स्तर - मोनोकल्चर भू-जल का स्तर गिराती है - केन्द्रीय भौम जल आयोग के अनुसार 90% भौम जल कृषि में प्रयुक्त होता है

(iii) कृषि उत्पादकता - मोनोकल्चर कृषि उत्पादकता में 20-25% कमी करती है जो खाद्यान्न सुरक्षा को प्रभावित करती है

(iv) मिट्टी की अनुर्वरता - एक ही फसल बोने से

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मिट्टी में आवश्यक पोषक तत्वों - फास्फोरस, पोटाशियम, नाइट्रोजन का ह्रास हो जाता है

(b) वाटर लॉगिंग की समस्या, मृदा का लवणीकरण भी हो सकता है।

(c) यह उर्वरकों के अधिक प्रयोग को बढ़ावा देकर भौम जल व मृदा प्रदूषण का कारण बन सकती है

उपाय

(a) संधारणीय कृषि प्रथाओं - मल्चिंग, फसल चक्रीकरण, फसल अवशेषों को मृदा में सड़ाना आदि को अपनाया जाये।

(b) तिलहनी, दलहनी फसलों को बो कर मृदा के स्वास्थ्य को सुधार किया जाये।

(c) भौम जल दोहन में संधारणीयता के लिए आयोग को नियम निर्धारित करने की आवश्यकता है

अतः क्लाइमेट स्मार्ट, क्लाइमेट रेजिलिएंट, जल दक्ष, मृदा स्वास्थ्य उन्मुख कृषि पद्धतियों को अपनाकर भारतीय कृषि प्रणाली को संधारणीय बनाने के लिए प्रयास अत्यावश्यक है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. While highlighting the impact of single-use plastic on health and the environment, state the recent efforts taken by the government to curb plastic pollution in India. **(150 words) 10**

स्वास्थ्य और पर्यावरण पर एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक के प्रभाव को रेखांकित करते हुए, भारत में प्लास्टिक प्रदूषण को रोकने के लिए सरकार द्वारा हाल ही में किए गए प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

मिंडेरो फाउंडेशन की रिपोर्ट के अनुसार भारत विश्व का एकल उपयोग प्लास्टिक उत्पादित करने वाला उच्च देश है तथा प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष सिंगल यूज प्लास्टिक उत्पादन 4 kg है।

➢ **एकल यूज प्लास्टिक : स्वास्थ्य पर प्रभाव**

(i) मनुष्य स्वास्थ्य में माइक्रो प्लास्टिक का आगमन - कैंसर, हेपेटाइटिस जैसे रोग पैदा करता है

(ii) इससे मानव में मानसिक विकार उत्पन्न होते है

(iii) मनुष्य में एकल यूज प्लास्टिक से हड्डियों का कमजोर होना, हृदय संबंधी रोगों का बढ़ना।

➢ **पर्यावरण पर प्रभाव**

(a) पर्यावरण की विविधता में ह्रास होता है।

(b) जीव - जन्तुओं के प्लास्टिक निगलने से



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इनकी मौत हो जाती है।

(c) प्लास्टिक में फँसकर पर्यावरणीय जीव मर जाते है।

(d) मृदा प्रदूषण, जल प्रदूषण होता है।

(e) खाद्य शृंखला विषाक्त होती है।

(f) इससे वनों की वृद्धि, नवीन वनों का विकास भी बाधित होता है।

**सरकार के प्रयास**

(i) सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाया है।

(ii) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम,

(iii) प्लास्टिक की मोटाई 120 mm तक की गई है।

(iv) प्लास्टिक उपयोगकर्ता पर जुर्माना व सजा जैसों का प्रावधान किया गया है।

अतः मानव स्वास्थ्य, पर्यावरणीय संरक्षण तथा SDG-13, 14, 15 की प्राप्ति के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक का निवारण अत्यावश्यक है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Aapda Mitra – a force of volunteers from across India trained in disaster response – is becoming a game changer in the field of disaster management in the country. Elaborate. **(150 words) 10**

आपदा मित्र-आपदा प्रतिक्रिया हेतु प्रशिक्षित भारत भर के स्वयंसेवकों का एक बल-देश में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में एक गेम चेंजर के रूप में उभर रहा है। सविस्तार वर्णन कीजिए।

जर्मन वॉच की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत आपदा प्रवण देशों में top-10 में वहीं आपदा से होने वाली हानि में top-5 देशों में आता है।

भारत विभिन्न मानवीय, प्राकृतिक, जैविक, रासायनिक व परमाण्विक आपदाओं के प्रति प्रवण है जिसमें GSI के अनुसार सूखे (68%), बाढ़ (12%), भू-स्खलन (12%), भूकंप (58%) से भारत का क्षेत्र प्रभावित है।

इस परिप्रेक्ष्य में आपदा मित्र

i) मानव श्रमबल - यह आपदा के समय मानव श्रमबल की कमी को पूरा करने में समर्थ होगा।

ii) पर्याप्त ऊर्जा व प्रेरणा के कारण आपदा मित्र प्रथम प्रतिक्रियाकर्ता ( 1st Responser)



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के रूप में उभरेंगे।

(iii) ये बाढ़, भूस्खलन के क्षेत्र में लोगों को मानसिक स्वास्थ्य प्रदान करने में मदद करेंगे।

(iv) इनकी सक्रियता आपदा में फँसे लोगों की जान बचाने में सक्षम होगी।

(v) ये प्रशिक्षण द्वारा पुलिस, केन्द्रीय सशस्त्र बलों के साथ आपदा का त्वरित नियंत्रण करने में प्रभावी होंगे।

(vi) आपदा मानचित्रण के आधार पर आपदा मित्र रोबोटिक्स, ड्रोन, AI, मशीन लर्निंग, बिग डेटा एनालिटिक्स जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से भी आपदा का शमन करने में प्रभावी होंगे।

अतः सेंडाई फ्रेमवर्क, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना भी आपदा मित्र - सामुदायिक आपदा प्रबंधन पर बल देती है। इसलिए भारत को एक नियोजित ढाँचे के तहत इनका उपयोग कर सुनम्य भारत का निर्माण करना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Why is the rise in lone wolf attacks considered as a serious challenge for security agencies around the world? Highlight the role of the internet in exacerbating such attacks. **(150 words) 10**
विश्व भर में लोन वुल्फ हमलों में वृद्धि को सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक गंभीर चुनौती क्यों माना जाता है? ऐसे हमलों की वृद्धि में इंटरनेट की भूमिका पर प्रकाश डालिए।

इंटरनेट क्राइम रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2015-20 के मध्य लोन वुल्फ हमलों में 27% की वृद्धि हुई है जो वैश्विक स्तर पर सर्वाधिक है।

→ लोन वुल्फ हमला : गंभीर चुनौती

(i) सुरक्षा एजेंसियों से उन्नत किस्म की तकनीकीय अस्त्रों का प्रयोग किया जाता है।

(ii) उभरती प्रौद्योगिकी से लोन वुल्फ अटैक को लक्षित किया जाता है।
 eg. AI के अनुप्रयोग, मशीन लर्निंग की सक्षमता से

(iii) सुरक्षा बलों की तुलना लोन वुल्फ अटैक अधिक विकेन्द्रित तरीके से किया जा सकता है।

(iv) सामान्य नागरिक के भी इस हमले में शामिल होने की संभावना सुरक्षा बलों के समक्ष

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

नवीन चुनौती पेश करती है

घ) हमलों में वृद्धि : इंटरनेट की भूमिका

(a) इंटरनेट ने हमलों को विश्व व्यापी बना दिया है

(b) इससे अटैकर नवीन किशोरों की भर्ती करने में सोशल साइट्स का प्रयोग करते है

(c) इंटरनेट से युवाओं का 'माइंड वाश' कर दिया जाता है

(d) अटैकर व गाइडर के मध्य इंटरनेट से लिंक बना रहता है

(e) इंटरनेट ने आधुनिक हथियारों व उभरती नवीन तकनीकों तक इनकी पहुँच बढ़ा दी है

(f) डीपवेब, डार्कनेट के जरिए लोन वुल्फ अटैक एजेंडों को विस्तार दिया जाता है

अत: ऐसे हमलों से निपटने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकी, हथियार, खुफिया सूचना तंत्र की त्रयी का समन्वित प्रयोग किया जाना चाहिए।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. The fundamental inefficiencies embedded in our military structures and processes are now being addressed through a slew of defence reforms in the country. Discuss. **(150 words) 10**

हमारे सैन्य ढांचे और प्रक्रियाओं में अंतर्निहित मूलभूत अक्षमताओं को अब देश में विभिन्न रक्षा सुधारों के माध्यम से दूर किया जा रहा है। चर्चा कीजिए।

भारत की सेना विश्व की 4th सबसे बड़ी व 4th सबसे मजबूत सेना है। भारत एक क्षेत्रीय शक्ति, उभरती वैश्विक शक्ति, परमाणु संपन्न राष्ट्र तथा संभावित महा शक्ति है जिसके लिए सैन्य ढाँचे को दक्ष किया जा रहा है।

⇒ **सैन्य ढाँचे व प्रक्रियाओं में सुधार**

① आयात पर निर्भरता को कम - अभी सैन्य जरूरतों का 74% स्वदेशी सैन्य उत्पादन किया जा रहा है। SIPRI फैक्ट शीट - इस पर 2010 में 69% - 2021 - में 40% निर्भरता रही।

② रक्षा इनोवेशन पर बल - iDEX, स्टार्टअप्स आदि के माध्यम से भारत रक्षा इनोवेशन पर ध्यान दे रहा है।

③ रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र की भागीदारी - इससे प्रौद्योगिकी, रेंज आ रही है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) उन्नत तकनीकी हथियारों का आयात - इससे भारत प्रौद्योगिकी लेकर स्वदेशी निर्माण को बढ़ावा देगा।

(v) रक्षा आयात में विकेन्द्रीकरण - रूस, USA, फ्रांस इजरायल से - रूस - S-400, मिग, सुखोई। वहीं USA से - C-17, C-130, MH-60, रेमियो, अपाचे हेलिकॉप्टर की खरीद, फ्रांस से राफेल, मिराज।

(vi) इजरायल के साथ सैन्य प्रौद्योगिकी समझौते से भारत में संयुक्त रक्षा उत्पादन हो रहा है।

(vii) इस क्षेत्र में FDI की अनुमति

(viii) संयुक्त सैन्य कमांड के लिए CDS नियुक्ति।

(ix) रक्षा बलों का आधुनिकीकरण किया गया है

अतः चीन, पाक की संयुक्त चुनौती व संभावित महाशक्ति बनने के लिए भारत को बहुआयामी व द्रुत गति से रक्षा रणनीति, सैन्य ढाँचे व प्रक्रियाओं में सुधार करना होगा।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**9.** In light of the recent establishment of the WHO Global Centre for Traditional Medicine in India, discuss the advantages and challenges in mainstreaming traditional medicine in the country. **(150 words) 10**

हाल ही में, भारत में डब्ल्यू. एच. ओ. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना के आलोक में, देश में पारंपरिक चिकित्सा को मुख्यधारा में लाने के लाभों और चुनौतियों पर चर्चा कीजिए।

हाल ही में गुजरात में W.HO. ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन की स्थापना की गई जो विश्व स्तर पर पारंपरिक चिकित्सा - योग, यूनानी, सिद्धा, आयुर्वेद को बढ़ावा देगी।

पारंपरिक चिकित्सा : लाभ

① पहुँच (Access) - दूर-दराज ग्रामीण क्षेत्रों तक मेडिसिन की पहुँच सुनिश्चित की जा सकेगी।

② वहनीयता - सस्ती दरों पर यह मेडिसीन उपलब्ध हो सकेगी।

③ पारंपरिक विश्वास - हमारी परम्परागत विश्वास प्रणाली ट्रेडिशनल मेडिसीन में विश्वास करती है।

④ लोगों के जीवन स्तर में सुधार - मानसिक, शारीरिक रोगों के निवारण में बिना साइड इफेक्ट के इलाज होगा।

⑤ स्वास्थ्य बजट बचत होगा जो कि मेडिकल R&D



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को बढ़ाएगा।

3. मुख्यधारा में लाने में चुनौतियाँ

(i) विश्वास की कमी - जैसे लोग एलोपैथी में विश्वास करते है ट्रेडिशनल मेडिसीन में विश्वास न्यून है।

(ii) गलत - मिथ्या अवधारणाएँ - लोगों के मन में ट्रेडिशनल मेडिसीन संबंधी मिथ्या धारणाएँ है।

(iii) क्लीनिकल ट्रायलों का अभाव

(iv) आयुर्वेद प्रणाली मूत्र निर्माण में किडनी की भूमिका को नकारती है यह गलत है क्योंकि किडनी की भूमिका होती है।

(v) पर्याप्त अनुसंधान विकास, लिखित साक्ष्यों व ढाँचों का अभाव।

अतः ट्रेडिशनल मेडिसीन में विद्यमान विसंगतियों को दूर कर आयुष मंत्रालय को प्रत्येक जिले में आयुर्वेद अस्पताल स्थापित कर इसे बढ़ावा देना चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**10.** Nano Urea Liquid has the potential to transform farming in India and across the world by improving productivity while reducing environmental pollution and input cost. Discuss. **(150 words) 10**

नैनो यूरिया लिक्विड में पर्यावरण प्रदूषण और इनपुट लागत को कम करने के साथ-साथ उत्पादकता में सुधार करके भारत और विश्व भर में कृषि कार्य को रूपांतरित करने की क्षमता है। चर्चा कीजिए।

इफको द्वारा नैनो प्रौद्योगिकी का उपयोग करके 'नैनो यूरिया' विकसित किया गया है जो भारत सहित वैश्विक कृषि प्रणाली को रूपांतरित कर सकने में सक्षम है

➢ **नैनो यूरिया लिक्विड : पर्यावरण प्रदूषण**

(i) इससे मृदा प्रदूषण में कमी होगी तथा मृदा स्वास्थ्य में सुधार होगा।

(ii) भौम जल के प्रदूषण में कमी,

(iii) मृदा में आवश्यक पोषक तत्वों के संतुलन को बनाए रखने में सहायक।

(iv) यह GHGs उत्सर्जन कम करेगा, अम्ल वर्षा को भी हतोत्साहित करेगा।

➢ **इनपुट लागत कम करने में सहायक**

(i) पारंपरिक यूरिया की तुलना में यह 50%

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

पारंपरिक यूरिया की मात्रा को कम करेगा।

(b) कृषि व्यय में कमी होगी।

(c) भारत का यूरिया आयात (20% of total Demand) कम होगा जिससे विदेशी मुद्रा बचेगी व CAD ↓

(d) यह कृषि लागत कम कर R&D को प्रमोट करेगा।

## नैनो यूरिया - उत्पादकता

(a) इफको के अनुसार इससे कृषि उत्पादकता में 8-9% की वृद्धि होगी।

(b) यह फसलों की गुणवत्ता में भी वृद्धि करेगा।

(c) इससे कृषि उपज में सकल उत्पादकता बढ़ेगी।

इस प्रकार यह कृषि में नैनो टेक्नोलॉजी के प्रसार को बढ़ाकर भारतीय कृषि प्रणाली को रूपांतरित कर सकता है साथ ही संधारणीय, सुनम्य कृषि व क्लाइमेट स्मार्ट कृषि को भी बढ़ावा दे सकता है



VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**11.** Discuss the domino effect of high crude oil prices on the Indian economy. Also, enumerate the measures that India can take in this context.

**(250 words) 15**

भारतीय अर्थव्यवस्था पर कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के डोमिनो प्रभाव की विवेचना कीजिए। साथ ही, भारत द्वारा इस संदर्भ में अपनाए जा सकने वाले उपायों को सूचीबद्ध कीजिए।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों में 82% क्रूड ऑयल आयात करता है वहीं 45% प्राकृतिक गैस भी आयात करता है जो इसकी ऊर्जा संप्रभुता, 'ऊर्जा सुरक्षा' को सुभेद्य बनाते है।

→ भारतीय अर्थव्यवस्था: कच्चे तेल की कीमतों का प्रभाव

(a) मुद्रास्फीति - CPI (C) व WPI दोनों में वृद्धि। RBI के अनुसार CPI - 7% पर इससे उपभोक्ताओं के लिए आवश्यक वस्तुएँ महँगी होती है।

(b) विकास पर - कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भारतीय अर्थव्यवस्था की गति धीमी पड़ती है क्योंकि तेल पर निर्भर उद्योगों की उत्पादन लागत बढ़ती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) ऑटोमोबाइल क्षेत्र पर - इस क्षेत्र में माँग कम हो सकती है जिससे इसकी वृद्धि दर कम होगी जो विनिर्माण क्षेत्र की GDP में हिस्सेदारी (15%) को स्थिर या न्यून करेगी।

(iv) कृषि पर - कृषि का मशीनीकरण हतोत्साहित होता है जिससे कृषि उत्पादकता, खाद्य सुरक्षा पर प्रभाव पड़ेगा।

(v) परिवहन क्षेत्र पर - परिवहन क्षेत्र में वृद्धि दर कम हो सकती है।

(vi) अर्थव्यवस्था में मंदी - जब तेल की कीमतें बढ़ने से मांग में कमी होगी तो उत्पादन भी कम होगा जो बेरोजगारी को बढ़ाएगा।

c) अपनाएँ जा सकने वाले उपाय -

① ग्रीन एनर्जी पर बल - नवीकरणीय ऊर्जा - सौर, पवन, हाइड्रो पर बल देना जरूरी है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

② ऊर्जा संघम (2015) - स्वदेशी तेल उत्पादन पर बल देना चाहिए।

③ एथेनॉल निर्माण पर - जैव ईंधन नीति 2018 2025 तक डीजल में 5% व पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण पर बल दें।

④ मेथेनॉल इकोनमी कार्यक्रम - नीति आयोग - इसे व्यापक स्तर पर लागू करें।

⑤ e- वाहन - FAME INDIA I & II, NEMP आदि को बढ़ावा।

⑥ सरकार ऊर्जा रूपांतरण प्रणाली से ढाँचागत बनाकर ऊर्जा संप्रभुता व ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करे जिसमें न्यूक्लियर एनर्जी का प्रयोग शामिल हो

अतः भारत के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों आत्मनिर्भर भारत, न्यू इण्डिया के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता में हो।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**12.** The consistent high operating ratio of the Indian Railways is indicative of its incapability to generate high operational surplus. Explain the reasons behind this trend. Also, highlight the remedial measures taken by the government in this regard. **(250 words) 15**

भारतीय रेलवे का लगातार उच्च परिचालन अनुपात उच्च परिचालन अधिशेष सृजित करने में असमर्थता का संकेत है। इस प्रवृत्ति हेतु उत्तरदायी कारणों को स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संबंध में सरकार द्वारा किए गए उपचारात्मक उपायों को रेखांकित कीजिए।

भारतीय रेलवे विश्व का तीसरा सबसे बड़ा रेलवे व यात्री स्थानांतरण के मामले में विश्व का सबसे बड़ा रेलवे है जिसमें प्रतिदिन 13,000 से अधिक रेलें व 2·5 करोड़ यात्री यात्रा करते है।

→ रेलवे में लगातार उच्च परिचालन लागत: कारण

(i) रेलवे में अदक्षता - सार्वजनिक क्षेत्र में अधिकारिता के कारण इस क्षेत्र में अदक्षता अधिक है।

(ii) संचालन प्रणाली में अनियमितता - इससे रेलवे देरी, विलंबता से गुजरता है

(iii) रेलवे विद्युतीकरण का अभाव - अभी

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तक 65% रेलवे का ही विद्युतीकरण हुआ है।

(iv) अपर्याप्त सुविधाओं का अभाव - यात्रियों को अच्छी सुविधाएँ न मिलने के कारण रेलवे में AC2, AC3 सीटें रिक्त रहती है।

(v) रेलवे संसाधनों का पूर्ण उपयोग न हो पाना इससे रेलवे का राजस्व कम होता है।

(vi) रेलवे प्रणाली में व्याप्त भ्रष्टाचार आदि के कारण यहां क्षेत्र में भाई-भतीजावाद का शिकार है।

**सरकार के उपचारात्मक उपाय**

(i) रेलवे मंत्रालय ने मिशन सत्यनिष्ठा जारी किया है।

(ii) रेलवे के आधुनिकीकरण के लिए बजट में 10% की वृद्धि।

(iii) रेलवे में निजीकरण के प्रयास

(iv) तेजस, वंदे मातरम का प्रचार।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) रेलवे में जवाबदेहिता का मॉडल अपनाया गया है।

(vi) रेलवे लाइनों को विस्तृत किया जा रहा है।

(vii) मेनो गेज से ब्रॉड गेज में स्थानांतरण

(viii) राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन (100 लाख करोड़ रुपए)

(ix) राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन (NMP) रेलवे संपत्ति का मुद्रीकरण।

उपाय- विवेक देबराय समिति, राकेश मोहन समिति की सिफारिशों के आधार पर रेलवे का निगमीकरण किया जाये।

अतः रेलवे को दक्ष, प्रभावी बनाकर इसे राजस्व मॉडल के रूप में विकसित किया जाये।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**13.** Micro food processing sector is the key driver of growth in the Indian economy as it encourages food processing innovation. In this context, state the challenges faced by the micro food processing sector and discuss how the recent initiatives taken by the government aim to address them.

**(250 words) 15**

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक भारतीय अर्थव्यवस्था में संवृद्धि का प्रमुख चालक है क्योंकि यह खाद्य प्रसंस्करण नवाचार को प्रोत्साहित करता है। इस संदर्भ में, सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रक द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों का उल्लेख कीजिए और चर्चा कीजिए कि किस प्रकार सरकार द्वारा हाल ही में प्रारंभ की गई पहलों का उद्देश्य इनका समाधान करना है।

सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था 2 मिलियन लोगों को रोजगार देता है। यह सनराइज क्षेत्र है।

**खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र : संवृद्धि का मुख्य चालक**

① रोजगार में योगदान - 2 मिलियन लोगों को।

② कृषि आय में वृद्धि - किसानों के उत्पादों को उचित मूल्य पर खरीदता है।

③ इनोवेशन का संचार - यह सनराइज सेक्टर है जो इनोवेशन को बढ़ावा देता है।

④ ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देता है।

⑤ भारतीय अर्थव्यवस्था - निर्यात, माँग-आपूर्ति में योगदान देता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ **सामना की जाने वाली चुनौतियाँ**

(i) उच्च गुणवत्ता के कृषि उत्पादों का अभाव

(ii) उच्च कौशल युक्त श्रमबल का अभाव

(iii) पर्याप्त वित्त न मिल पाने के कारण इसकी वृद्धि दर धीमी है।

(iv) पारंपरिक तकनीकी प्रणाली के कारण उत्पादकता न्यून है।

(v) कृषि अवसंरचना के अभाव में 20-25% पेरिशेबल आइटम नष्ट हो जाते हैं।

(vi) बैकवर्ड व फॉरवर्ड लिंकेज का अभाव

(vii) पैकेजिंग, लेबलिंग का अभाव

(viii) गुणवत्ता प्रमाणन में पिछड़ापन।

(ix) अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धा।

(x) भारतीय उपभोक्ताओं की प्रसंस्कृत उत्पादों के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकारी प्रयास

(a) PM - मत्स्य संपदा योजना

(b) PM - किसान संपदा योजना

(c) PM - सूक्ष्म प्रसंस्करण उद्योगों का औपचारीकरण योजना।

(d) मेगा फूड पार्क की स्थापना।

(e) खाद्य प्रसंस्करण नीति 2017

(f) वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल

(g) वित्त प्रवाह के लिए उदारीकरण

अतः इस क्षेत्र मे पूंजी, तकनीक, कौशलयुक्त श्रमबल को निवेशीत कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए क्योंकि यह भारतीय अर्थव्यवस्था मे गुणक प्रभाव सुनिश्चित कर सकता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**14.** Despite efforts by successive governments, equitable growth remains elusive and income inequality continues to persist in India. Discuss.

**(250 words) 15**

क्रमिक सरकारों के प्रयासों के बावजूद, न्यायसंगत विकास दुष्प्राप्य बना हुआ है और भारत में आय असमानता निरंतर बनी हुई है। चर्चा कीजिए।

ऑक्सफेम की रिपोर्ट के अनुसार भारत के बिलियनर्स के पास GDP की 20% पूँजी है वहीं विश्व बैंक के अनुसार भारत के 40% लोग इतना ही कमाते हैं जिससे पेट भर सके।

→ भारत में न्याय संगत विकास : आय असमानता

प्रमाण -

(i) विश्व बैंक - विश्व के 28% गरीब भारत में

(ii) ग्लोबल MPI - विश्व के 38% बहुआयामी गरीब भारत में

(iii) ग्लोबल हंगर इंडेक्स - 101/116
* 17% दुबलेपन से
* 32.4% ठिगनेपन से ग्रस्त

(iv) भारत में शिशु मृत्युदर - 32
मातृत्व मृत्युदर - 103 (नीति आयोग)



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस स्थिति के कारण -

(1) भारत में जनवितरण प्रणाली - इस प्रणाली में भ्रष्टाचार, लिकेज, अकर्मण्यता आदि विद्यमान हो

(2) आय का क्षैतिज वितरण न हो पाना।

(3) कुछ राज्यों में निजी निवेश का अभाव
Eg. भारत में अधिकांश निवेश गुजरात, महाराष्ट्र, TN, दिल्ली में जाता है

(4) कर चोरी, कर अपवंचन जिसे आय का पुनर्वितरण नहीं हो पाता।

(5) सरकारों के मध्य समन्वय, सहयोग का अभाव
Eg. केंद्र-राज्य के मध्य - शिक्षा, स्वास्थ्य विषयों को लेकर टकराव

(6) योजनाओं का निगरानी, पुनः मूल्यांकन, पुनः संरचना का अभाव।

(7) प्रशासनिक-राजनीतिक निष्क्रियता

(8) जनता में जागरूकता का अभाव।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

इस स्थिति से निपटने के लिए.

(i) डिजिटलीकरण को बढ़ावा
(ii) कर अपवंचन को रोका जाये
(iii) आय का न्यायसंगत पुनर्वितरण हो।
(iv) अवसंरचना में सार्वजनिक + निजी निवेश को प्रोत्साहित किया जाये।
(v) क्षैतिज असमानता को दूर करने के लिए नीति आयोग 2.0 का गठन किया जाये।
(vi) बिलियनर्स पर विकास कर (1%)

यद्यपि सरकार ने लक्षित PDS, e-POS, आय पुनर्वितरण - PM-किसान, पेंशन योजनाएँ, कृषि में निवेश - 35-36% वृद्धि, NFSA, PM-जन धन योजना आदि उपाय किए।

अतः SDG-1, 2, 10 तथा समावेशी भारत के निर्माण के लिए विकासगत व आय असमानता को दूर किया जा सकता है।

VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**15.** Stating the factors that determine the employment situation of an economy in the long-term, discuss the measures that are needed for India to address its unemployment problem. **(250 words) 15**

किसी अर्थव्यवस्था की दीर्घावधि में रोजगार की स्थिति को निर्धारित करने वाले कारकों का उल्लेख करते हुए, उन उपायों की विवेचना कीजिए जो भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु आवश्यक हैं।

NSO- PLFS के हालिया सर्वेक्षण के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर 4.8% है वहीं भारत में प्रतिमाह 1 मिलियन वर्कफोर्स, श्रम में शामिल हो रही है।

→ अर्थव्यवस्था में दीर्घावधि में रोजगार निर्धारित करने वाले कारक:

① निवेश - निवेश उच्च टेक्नोलॉजी, प्रबंधन कौशल, विदेशी मुद्रा आदि लाता है जो देश में रोजगार उत्पन्न करता है इससे प्रौद्योगिकी हस्तांतरण स्वदेशी उद्यमशीलता को बढ़ावा देता है।

② अवसंरचना - किसी भी अर्थव्यवस्था की अवसंरचना रोजगार में बृहत योगदान देती है।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ राजकोषीय नीतियाँ - स्थिर राजकोषीय नीतियां अर्थव्यवस्था में विश्वास पैदा करती है जो निवेश को भी आकर्षित करती है।

④ मौद्रिक नीतियाँ - मुद्रास्फीति का मध्यम स्तर पर्याप्त तरलता रोजगार के लिए सुलभ प्रभाव सुनिश्चित करती है।

⑤ लॉजिस्टिक क्षेत्र - अर्थव्यवस्था में लॉजिस्टिक लागत कम होने पर उस देश में कंपनियों में रोजगार उत्पन्न होता है।

भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान हेतु उपाय

① कृषि क्षेत्र - इसमें GDP का मात्र 0.3-0.4% निवेश है वो भी सार्वजनिक। इसलिए इसमें पर्याप्त सार्वजनिक-निजी निवेश आकर्षित कर रोजगार को बढ़ाना आवश्यक



VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) औद्योगिक क्षेत्र

(i) पर्याप्त कौशल स्तर को बढ़ाना - भारत में 'इण्डिया स्किल रिपोर्ट' के अनुसार मात्र 4.6% युवा औपचारिक कौशल युक्त है व मात्र 45.9% स्नातकधारी रोजगार योग्य है।

(ii) टेक्नोलॉजी : इनोवेशन को बढ़ावा देना। अभी विनिर्माण क्षेत्र 29% रोजगार प्रदान करता है जिसे 40% करने के लिए इस क्षेत्र में NIMZ, SEZ आदि पहलों को प्रोत्साहन देना।

(3) सेवा क्षेत्र - इसमें ASEEM प्लेटफॉर्म के माध्यम से, ~~SHAISYS~~ SHREYAS पोर्टल के माध्यम से सेवा क्षेत्र - शिक्षा में लिंक स्थापित करना जरूरी है ताकि रोजगार अनुरूप शिक्षा दी जा सके।

अतः भारत में बेरोजगारी समस्या के निदान के लिए PPP मॉडल के आधार निवेश युक्त प्रयास होने चाहिए।



VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

**16.** In view of the rapidly increasing socio-economic damage caused by disasters, integrating Disaster Risk Reduction (DRR) into development planning requires an effective stakeholder engagement mechanism. Discuss. **(250 words) 15**

आपदाओं के कारण तेजी से बढ़ रही सामाजिक-आर्थिक क्षति को देखते हुए, आपदा जोखिम न्यूनीकरण (DRR) को विकास योजनाओं में एकीकृत करने के लिए एक प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र की आवश्यकता है। विवेचना कीजिए।

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (GSI) के अनुसार भारत विभिन्न आपदाओं यथा सूखा (60% क्षेत्र) भूकंप (50%), बाढ़ (12%), भूस्खलन (2%) के प्रति प्रवण है।

→ आपदा: सामाजिक; आर्थिक क्षति

(i) आपसंरचनाओं का जल मग्न हो जाना

(ii) स्कूल, अस्पतालों में बाढ़ जनित जलाभराव

(iii) सड़क, रेल पटरियों पर भू-स्खलन से मलबा आ जाना

(iv) भूकंप से घरों का ढहना व मानव-पशु क्षति।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(v) परिवहन साधनों का चक्रवाती तूफान से क्षतिग्रस्त हो जाना।

(vi) संचार साधनों - टेलीकॉम अवसंरचना में बाधा

(vii) पुलों, बाँधों का ढहना।

→ इसके लिए आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रभावी हितधारक जुड़ाव तंत्र :-

① साामुदायिक आपदा प्रबंधन पर बल - जिसमें समुदाय के लोगों को पर्याप्त प्रशिक्षण, कौशल देकर आपदा योद्धा बनाया जा सकता है इसकी परिकल्पना सेंडाई फ्रेमवर्क में भी की गई है

② नवीनतम प्रौद्योगिकीय सहायता - हितधारकों में प्रशासन - एरियल रोबोटिक्स, रिमोट सेंसिंग के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में सर्वेक्षण, खाद्यान्न पहुँचाना आदि आवश्यकता

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ मशीन लर्निंग। चक्रवात का पूर्वानुमान लगा सकती है।

→ SHAISYS - भूकंप का पूर्वानुमान लगा सकता है

③ सैन्य रक्षक बलों व NDRF, SDRF के मध्य समन्वय - आपदा प्रतिक्रिया टीमों में प्रभावी समन्वय व समुदाय के सहयोग से आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए प्रयास किए जाये।

④ स्कूल, कॉलेज स्तर पर आपदा शमन शिक्षा, कौशल देकर प्रभावी हितधारक गुड़ाव तंत्र को बल दिया जा सकता है।

अतः प्रभावी संरचना, रणनीति व पर्याप्त प्रशिक्षण, कौशल की मदद से हमें DRR के लिए प्रयास करना होगा।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Provide an account of the existing carbon trading mechanisms in India. Also, discuss the significance of an efficient carbon trading market in the country and state the challenges that currently exist. **(250 words) 15**

भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र का विवरण प्रस्तुत कीजिए। साथ ही, देश में एक कुशल कार्बन व्यापार बाजार के महत्व पर चर्चा कीजिए और वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

'कार्बन व्यापार तंत्र' कार्बन क्रेडिट्स के व्यापार के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है।

* भारत में मौजूदा कार्बन व्यापार तंत्र -

(i) ऑफसेट ट्रेडिंग
(ii) कार्बन क्रेडिट प्रणाली
(iii) कार्बन कर प्रणाली

* कुशल कार्बन व्यापार तंत्र का महत्व

(a) उत्सर्जन में कमी. इससे $CO_2$ उत्सर्जन में कमी होती है जिससे GHGs में कमी होगी।

(b) हरित विकास. यह हरित विकास को बढ़ावा देता है।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) भारत के नेट जीरो एमिशन लक्ष्य की प्राप्ति के लिए यह बाजार तंत्र उपयोगी है

(d) भारत की NDCs प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए।

(e) भारत को ईको फ्रेंडली देश बनाने में

(f) यह कम कार्बन उत्सर्जन करने वाली कंपनियों के लिए राजस्व सृजन का स्रोत।

(g) ग्लोबल वार्मिंग व जलवायु परिवर्तन को कम करने में सहायक।

(h) वायु प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी।

## वर्तमान समय में विद्यमान चुनौतियाँ

(i) यह तंत्र अपनी शैशवावस्था में है।

(ii) इस तंत्र से संबंधित स्पष्ट नीतियों का अभाव।

(iii) इसके विकास के लिए क्रियाविधियों की कंपनियों में विश्वसनीयता का अभाव।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) कार्बन क्रेडिट की अधिकता के कारण खरीद दार उपलब्ध नहीं होते।

(v) ग्रीन टेक्नोलॉजी, ग्रीन इन्वेस्टमेंट के कारण अल्प विकास।

(vi) पर्याप्त अवसंरचना व सहायता का अभाव।

(vii) कार्बन व्यापार तंत्र में विद्यमान भ्रष्टाचार, विसंगतियाँ।

अतः हरित विकास, पर्यावरण संरक्षण, संधारणीय विकास के लिए कार्बन व्यापार तंत्र को मजबूत बनाकर विद्यमान विसंगतियों को दूर किया जाये ताकि हम विकास व पर्यावरण में संतुलन बिठा सकें।



VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**18.** The menace of drug trafficking in India has been on a rise due to a mix of factors, both internal and external. Discuss. Also, state the challenges posed by drug trafficking to India's national security. **(250 words) 15**

भारत में ड्रग ट्रैफिकिंग का खतरा आंतरिक और बाह्य दोनों कारकों के समन्वय के कारण बढ़ रहा है। चर्चा कीजिए। साथ ही, भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के समक्ष ड्रग ट्रैफिकिंग से उत्पन्न चुनौतियों का उल्लेख कीजिए।

UNODC की ड्रग पॉलिसी रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2010-20 के मध्य ड्रग ट्रैफिकिंग में 30% वृद्धि हुई है तथा 'नार्को-आतंकवाद' का नया रूप भी विकसित हुआ है।

→ ड्रग ट्रैफिकिंग : आंतरिक व बाह्य दोनों कारक

① आंतरिक कारक

ⓐ - बढ़ती बेरोजगारी - NSO - 4.8%.

ⓑ वित्तीय असमानता - Oxfam रिपोर्ट

ⓒ गरीबी - विश्व बैंक - 28% गरीब

ⓓ सोशलमीडिया की बढ़ती पहुँच जो ड्रग्स की प्रवृत्ति बढ़ा रही है - (इंटरनेट (क्राइम रिपोर्ट)

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(e) युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृति

(f) राज्य - केन्द्र में इस प्रथा को रोकने में सशक्त तंत्र का अभाव

(2) बाह्य कारक

(i) भारत गोल्डन ट्राइएंगल व गोल्डन क्रिसेंट के मध्य स्थित है

(ii) जम्मू - कश्मीर व पंजाब से पाक, अफगानिस्तान से अवैध मादक तस्करी।

(iii) पूर्वोत्तर में मणिपुर का ड्रग्स केन्द्र होना

(iv) तालिबानी कारक जो मादक पदार्थों का व्यापार करते हैं

→ राष्ट्रीय सुरक्षा : ड्रग ट्रैफिकिंग

(i) नार्को आतंकवाद ने भारत में आंतरिक सुरक्षा को चुनौती दी है

(ii) युवाओं को ड्रग्स व्यापार में धकेल वित्तीय रूप से निर्भर बनाकर सुरक्षा में सेंधमारी के लिए तैयार किया जाता।

VisionIAS

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) राज्य पुलिस बलों व केन्द्रीय अन्वेषण एजेंसियों के मध्य समन्वय के अभाव ने ड्रग्स व्यापार को विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संगठित अपराध बना दिया है।

(iv) सोशल मीडिया पर ड्रग्स ट्रेड से युवाओं का 'माइंड वाश' और सुरक्षा चुनौतियों को उत्पन्न किया जाना है।

(v) विकेन्द्रित ड्रग्स व्यापार पुलिस बलों की खुफिया टीमों के घेरे में नहीं आ पाता।

अतः भारत को 5-लेयर स्मार्ट फेंसिंग, इंफ्रारेड सेंसर नाइट विजन, व लॉकचेन प्रौद्योगिकी, राज्य-केन्द्रीय पुलिस बलों में समन्वय, विकेन्द्रित निगरानी को प्रोत्साहित ड्रग्स जनित सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए प्रयास करने चाहिए।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**19.** The Andaman and Nicobar islands' strategic significance in the Indian Ocean region (IOR) has been underplayed by India's policy of 'masterly inactivity and benign neglect'. Critically discuss. **(250 words) 15**

हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के रणनीतिक महत्व को भारत की 'कुशल अकर्मण्यता और सौम्य उपेक्षा' की नीति के तहत कम करके आंका गया है। समालोचनात्मक चर्चा कीजिए।

अंडमान & निकोबार द्वीप समूह भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र में 2.02 मिलियन वर्ग किमी की वृद्धि करते है।

→ A&N द्वीप समूह : रणनीतिक महत्व

(i) महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग - मलक्का जल स्ट्रेट से नजदीक अवस्थित होने के कारण इसका रणनीतिक महत्व है।

(ii) समुद्री व्यापार - विश्व के 40% तेल शिप यहीं से गुजरते है।

(iii) IOR में बढ़ती चीन की प्रतिक्रिया में यह भारत के लिए विशेष महत्व रखता है।

VisionIAS

(iv) महत्वपूर्ण समुद्री खनिजों तेल, क्रूड ऑयल
की उपस्थिति के कारण

(v) IOR में भारत की 'निवल सुरक्षा प्रदाता'
की भूमिका को बढ़ाने में

(vi) IOR में एकीकृत थियेटर कमांड से सुरक्षा
चुनौतियों से निपटने में।

→ भारत की कुशल अकर्मण्यता व सौम्य उपेक्षा
नीति : अण्डमान & निकोबार

(a) यह नीति IOR क्षेत्र में भारत की
स्थिति को प्रस्तुत करती है

(b) इसमें A&N क्षेत्र को अपेक्षित महत्व
नहीं दिया गया है

(c) भारत की रणनीतिक योजनाओं में
A&N की भूमिका भी विस्तृत रूप से
वर्णित नहीं है

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**उपाय: A&N क्षेत्र में**

① बदली वैश्विक प्रतिस्पर्धा के परिप्रेक्ष्य मे भारत A&N के EEZ का विशेष प्रयोग किया जाना चाहिए।

② Quad, इण्डो पैसेफिक क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में A&N की IOR में भूमिका को महत्व दिया जाना चाहिए।

③ भारत के लिए IOR में A&N की महत्ता पर एक विजन डॉक्यूमेंट तथा स्पेशल एन्वॉय (envoy) नियुक्त किया जाये।

④ समुद्री सुरक्षा समन्वयक प्राधिकरण के साथ A&N की संलग्नता सुनिश्चित हो।

अत: भारत की IOR में उपस्थिति को मजबूत करने के लिए A&N क्षेत्र को विशेष महत्व दिया जाये।



VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

**20.** India has recently commissioned the world's first large International Liquid-Mirror Telescope (ILMT). How will the newly commissioned telescope aid in India's astronomical observations and research? **(250 words) 15**

हाल ही में, भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप (ILMT) स्थापित किया है। यह नवनिर्मित टेलीस्कोप खगोलीय पर्यवेक्षणों और अनुसंधान में भारत की किस प्रकार सहायता करेगा?

भारत खगोलीय पर्यवेक्षणों में प्राचीन काल से ही रुचि लेता रहा है जिसमें भास्कराचार्य, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, आर्यभट्ट आदि का योगदान अविस्मरणीय है इस पथ पर भारत ने विश्व का पहला विशाल इंटरनेशनल लिक्विड-मिरर टेलीस्कोप स्थापित किया है।

ILMT : भारतीय खगोलीय पर्यवेक्षणों व अनुसंधान में सहायता

(i) यह टेलीस्कोप भारत की खगोलीय जानकारी बढ़ायेगा।

(ii) भारत की खगोलीय जानकारी के लिए विश्व पर निर्भरता को कम होगा।



VisionIAS

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) इससे स्वदेशी विश्वसनीय तथ्य मिलेंगे।

(iv) इन तथ्यों का प्रयोग भारत अपने खगोलीय अनुसंधान को प्रभावी, दक्ष व अधिक समावेशी बनाने में कर सकेगा।

(v) यह पृथ्वी की उत्पत्ति से जुड़े कुछ विशेष तथ्यों के संबंध में पुष्टि करेगा।

(vi) इससे भारतीय की खगोलीय विज्ञान में रुचि बढ़ेगी।

(vii) यह टेलीस्कॉप हबल टेलीस्कॉप आदि जैसी विश्वस्तरीय टेलीस्कोप के परस्पर में कार्य करेगा।

(viii) इससे भारतीय शिक्षा प्रणाली में खगोलीय विज्ञान की रुचि को समावेशी करने में मदद मिलेगी।

VisionIAS

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इस नवनिर्मित टेलीस्कोप का अनुप्रयोग

(i) भारत इससे पृथ्वी संबंधी पूर्व अवधारणाओं पर नवीन व्याख्या दे सकता है।

(ii) भारत के पूर्व के प्रेक्षणों में अधिक सटीकता लाने के लिए इसके डेटा का उपयोग किया जा सकता है।

(iii) इससे भारत विश्व पटल पर अधिक खगोलीय तथ्यों पर अपना प्रभुत्व स्थापित कर नवीन अवधारणाओं में योग दे सकता है।

अतः ILMT के प्रभावी अनुप्रयोगों का भारत अपनी खगोलीय अवधारणाओं को पुष्ट करने में प्रयोग करना चाहिए।

VisionIAS